# 241 विद्यार्थियों को दी डिग्रियां, 5 को पीएचडी, 9 को मिला स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) का 10वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशीश शामिल हुए।

प्रो. (डॉ.) हाकम दान चारण, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (शासी मंडल) ने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी (वाचस्पति) छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए दीक्षांत समारोह के प्रारंभ की घोषणा की। निदेशक, प्रो. कैलासा राव एम. ने मुख्य अतिथि और उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया।

## योजना एवं वास्तुकला विद्यालय ने आयोजित किया 10वां दीक्षांत समारोह

*इस अवसर पर 241 स्नातकों (80 स्नातक, 156 परास्नातक, 5 पीएचडी) को उपाधियां (डिग्री) प्रमाण-पत्र और पदक प्रदान किए गए। जिनमें वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भूपरिदृश्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लोजिस्टिक्स प्रबंधन), योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) एवं 5 वाचस्पति (पीएचडी) विधाओं (वर्ग) के छात्रों को उपाधियों के साथ 2 उत्कृष्टता पदक, 9 प्रवीणता स्वर्ण पदक संबंधित विभागों के टॉपर्स को, 9 सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार एवं 1 थीसिस के लिए प्रशंसा का प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।*

**शोध कार्य के लिए मिली डिग्री**

## चयनित शैक्षणिक कार्यों की प्रदर्शनी आयोजित

पिछले शैक्षणिक वर्ष (2022-23) के दौरान विभागों एवं विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए चयनित शैक्षणिक कार्यों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में स्टूडियो कार्य, पोस्टर और डिजाइन शामिल हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार, नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ आर्किटेक्चर (नासा), इंक्रोमेंटल हाउसिंग कॉम्पिटिशन, उत्तम आर्किटेक्ट्स अवार्ड विजेता छात्रों के कार्य शामिल थे। इस अवसर पर प्रेमजीत दास गुप्ता, पूनम खान, प्रत्यूष माधवी, नयना आर सिंह एवं अपूर्व श्रीवास्तव को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। साची मिलिंद नाटेकर एवं अभिषेक शर्मा को उत्कृष्टता पदक दिया गया। सुमन कुमारी, कृपा थॉमस, कीर्ति भारद्वाज, पल्लवी दास, मालविका सिंह, अन्वेषा पॉत्र, दिव्यांशी व्यास, हर्षित तलरेजा, चंदेयी मित्रा को प्रवीणता स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसके अलावा अन्य विद्यार्थी भी शामिल रहे।